राष्ट्रीय उपस्थिति का सांस्कृतिक संस्थान

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान

संस्कृति भवन, लाजपतराय मार्ग (सलारपुर रोड), कुरुक्षेत्र–136 118

VIDYA BHARTI SANSKRITI SHIKSHA SANSTHAN

Sanskriti Bhawan, Lajpatrai Marg (Salarpur Road), Kurukshetra - 136 118 (Haryana)

Website : www.samskritisansthan.com; E-mail : sgp@samskritisansthan.org

Tel./Fax : 01744-251903, 270515 Mob./Whatsapp : 9812520301, 7419996400, 7419996300, 7419996200

पत्रांक : 109/27/2020 दिनांक : 08.09.2020

तिथि : आश्विन कृष्ण षष्ठी, वि.सं. २०७७, युगाब्द ५१२२

सम्माननीय बन्धुवर,

सादर नमस्कार।

विषय - संस्कृति बोध परियोजना सत्र 2020-21 सम्बन्धी महत्वपूर्ण सूचनाएँ।

1. **अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा –**

इस सत्र में यह परीक्षा Online / Offline दोनों प्रकार से सम्पन्न होगी –

ऑनलाइन –

1. पंजीकरण – दो प्रकार से होगा 1) संस्थागत - विद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थाओं के लिए। 2) व्यक्तिगत – पूर्व छात्र, अभिभावक या कोई भी नागरिक।
2. शुल्क – संस्थागत के लिए शुल्क रुपये 30.00 तथा व्यक्तिगत हेतु रुपये 100.00 रहेगा। शुल्क ऑनलाइन जमा करना होगा। पेमेंट गेटवे जिसमें डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, पे.टी.एम. द्वारा जमा होगा।
3. सूचनाएं – पंजीकृत होने के उपरान्त परीक्षा सम्बन्धी सूचनाएं ई-मेल से भेजी जाएंगी।
   – पुस्तक पी.डी.एफ. ईमेल से प्राप्त होगी।
   – एस.एम.एस. द्वारा परीक्षा के लिए आवश्यक पासवर्ड इत्यादि भेजा जाएगा।
4. पाठ्यक्रम – बोधमाला का 70 प्रतिशत रहेगा अर्थात् सत्र 2020-21 में पाठ क्रमांक 6 'सामान्य ज्ञान' तथा पाठ क्रमाँक 7 'हमारे राष्ट्रनायक' में से परीक्षा में प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।
5. परीक्षा के 15 दिन पूर्व स्मरण - एस.एम.एस. व ईमेल द्वारा भेजा जाएगा।
6. परीक्षा से एक दिन पूर्व स्मरण - एस.एम.एस. व ईमेल द्वारा भेजा जाएगा।
7. परीक्षा – ऑनलाइन होगी। 50 प्रश्नों का प्रश्न-पत्र रहेगा, समय अवधि - 1 घण्टा
8. कक्षाएँ – कक्षा 4 से 12, माध्यम हिन्दी और अंग्रेज़ी।
9. आचार्य श्रेणी - प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा एवं प्रज्ञा, माध्यम - हिन्दी।
10. परिणाम – रंगीन प्रमाण-पत्र ई-मेल से भेजा जाएगा।
11. सहभागिता के लिए धन्यवाद - परीक्षा के उपरान्त एस.एम.एस. व ईमेल द्वारा धन्यवाद तथा आगामी सत्र में सहभागिता का आग्रह किया जाएगा।
12. मोबाइल, कम्प्यूटर, लेपटॉप, टैबलेट सभी पर ऑनलाइन माध्यम से परीक्षा दे सकेंगे।
13. पंजीकरण – सितम्बर माह से 31 दिसम्बर 2020 तक कर सकेंगे।
14. परीक्षा तिथि – 15 जनवरी से 15 फरवरी के मध्य प्रातः 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक कभी भी।

ऑफलाइन - (जैसी अब तक आयोजित की जाती थी उसी प्रकार इस सत्र में भी रहेगी।)

- ऑफलाइन में नियमावली एवं विवरणिका सत्र 2020-21 में दिए गए विवरण के अनुसार पंजीकरण करवाकर परीक्षा करवानी है। पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2020 रहेगी। अब से 31 दिसम्बर 2020 तक कभी भी पंजीकरण करवा सकते हैं।

... 2 (कृ॰पृ॰उ॰)

- पाठ्यक्रम – इस सत्र के लिए 30% कम किया गया है। बोधमाला के अंतिम दोनों पाठ क्रमांक 6 - सामान्य ज्ञान एवं पाठ क्रमांक 7 - हमारे राष्ट्रनायक से वर्तमान सत्र 2020-21 की परीक्षा में प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे।
- परीक्षा की तिथि – 15 जनवरी 2021 से 15 फरवरी 2021 के मध्य प्रांत के द्वारा तय की जानी है।
- परीक्षा शुल्क - ऑफलाइन हेतु कक्षा 4 से 12 तक छात्र भैया/बहिनों हेतु रुपये 30.00 निर्धारित किया गया है। आचार्यों के लिए आयोजित होने वाली प्रवेशिका, मध्यमा व उत्तमा श्रेणी के लिए रुपये 40.00 प्रतिभागी निश्चित है। प्रज्ञा परीक्षा में दो पुस्तकें **आर्ष साहित्य का संक्षिप्त परिचय** तथा **श्रीमद्भगवद्गीता प्रश्नोत्तरी** होने से परीक्षा शुल्क रुपये 100.00 रखा गया है। इसमें पुस्तक / साहित्य का मूल्य सम्मिलित है।

2. अखिल भारतीय निबन्ध प्रतियोगिता -

- आचार्य एवं छात्र भैया/बहिन दोनों के लिए संपूर्ण देश में दिनाँक 16 दिसम्बर 2020 को आयोजित होगी। आचार्य बन्धु/भगिनी को विद्यालय में निबन्ध लिखने हैं तथा छात्र भैया/बहिनों को यदि तब तक विद्यालय खुलते हैं तो विद्यालय में लिखवाना अन्यथा घर में लिखवाकर ऑनलाइन मंगवाकर मूल्यांकन करना।
- विषय एवं नियम नियमावली एवं विवरणिका सत्र 2020-21 के अनुसार रहेंगे। इसके आयोजन की सूचना प्रान्त द्वारा विद्यालय स्तर तक 20 नवम्बर 2020 की स्थिति को देखते हुए भेजी जाएगी।
- भैया/बहिनों तथा आचार्यों के प्रांत स्तर पर चयनित निबन्ध 15 फरवरी 2021 तक कुरुक्षेत्र पहुँच जाएँ, ऐसी व्यवस्था करें।

3. अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव -

- अखिल भारतीय स्तर पर और क्षेत्रीय स्तर पर इसका आयोजन सत्र 2020-21 में नहीं किया जाएगा।
- प्रांत स्तर पर ऑनलाइन या ऑफलाइन वहाँ की परिस्थिति के अनुसार योजना तय करें।
- विद्यालय स्तर पर आग्रहपूर्वक सभी प्रतियोगिताएँ आनलाइन या ऑफलाइन जो भी संभव हो कराने का प्रयास किया जाए।

प्रेषित –

1. माननीय क्षेत्रीय तथा प्रान्तीय संगठन मंत्री एवं मंत्री।
2. संस्कृति बोध परियोजना क्षेत्रीय विषय प्रमुखों को।

भवदीय

(अवनीश भटनागर)
सचिव